an>

Title:Need to set up a Sports University in Sirohi district, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर) ः खेल देश के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न पहलू हैं। खेल शिक्षा एवं मानव के व्यक्तित्व विकास का भी अखण्ड हिस्सा हैं। खेलों की संस्कृति को लोगों की जीवन शैली का हिस्सा बनाने के लिए खेलों के उपयुक्त बुनियादी ढांचे की जरूरत है। देश में बच्चों, किशोरों और युवाओं की आबादी 77 करोड़ है। इनमें से महज पांच करोड़ की पहुँच संगठित सुविधाओं तक है और ये सुविधाएं भी शहरी इलाकों तक सीमित हैं। करीब 75 प्रतिशत आबादी मोटे तौर पर ग्रामीण इलाकों में रहती है और खेलों की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

वÂाऩ 2011 की जनगणना के अनुसार सिरोही और जालौर दोनों जिले की जनसंख्या लगभग 38 लाख 85 हजार 286 है। इसमें युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। दोनों जिलों में खेल प्रतिभा के लिए आधारभूत संरचना का अभाव है। युवाओं के अंदर बचपन से ही खेल कार्यकलापों को बढ़ावा दिया जाए ताकि युवा खेल को कैरियर के रूप में चुन सकें। यहां के खिलाड़ियों को सही प्रशिक्षण और मूलभूत सुविधा मिले तो ये खिलाड़ी अंतर्राÂट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने में पूर्णतः समर्थ हैं।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान के सिरोही और जालौर दोनों जिलों में खेल प्रतिभा के समुचित विकास के लिए सिरोही जिले में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना करने हेतु शीघ्र कदम उठाए जाएं।